AECC04.4

Reg. No.

I Semester B.Sc./B.V.SC/M.Sc. (Biological Science) B.S(4)/BOC Degree Examination, March/April - 2023

HINDI (AECC)

Kahani Prayojan Mulak Hindi aur Sankshepan

(NEP Semester Scheme Fresher and Repeater 2021-2022 Onwards)

Paper : I

Time : 2½ Hours **Maximum Marks : 60**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। (10×1=10)

1) हींगवाला कौनसी हींग लेकर आया था?
2) सावित्री के कितने बच्चे थे?
3) कलकत्ता के सेठ ने अलबम कितने रूपये में खरीदा था?
4) शादीराम ने पैसा–पैसा बचाकर कितने रूपयें जोड़ा था?
5) गोपालराव की पत्नी का नाम क्या था?
6) अब्बूखाँ कहाँ रहता था?
7) बाबू ने कितने बजे आखिरी साँस ली?
8) लेखक की बेटी गले में क्या पहनी थी?
9) 'सच बोलने की भूल' कहानी के लेखक कौन हैं?
10) संगीत सम्मेलन कहाँ हुआ था?

St. Francis College ★ LIBRARY ★ Koramangala, Bengaluru-34

II. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (2×7=14)

1) "जी हाँ। नहीं तो मुझ निर्धन ब्राम्हण के पास क्या था,
जो आपका ऋण चुका देता, परमात्मा ने मेरी सुन ली...."।
2) "अरे! उस झापड़ की बात? उसे भूल जा? ले!
इसके एवज में ये दो रूपये ले ले। फिर से यह बात जवान पर नहीं लाना।"
3) "हाँ हाँ, ज़रूर! भेड़िये पर तेरे सींगों ही का असर होगा। वह तो मेरी कई बकरियाँ हड़प कर चुका है।"

[P.T.O.

Scanned with CamScanner

III. 'हींगवाला' कहानी में सच्ची मानवता का वर्णन हैं। इसे स्पष्ट कीजिए। (1×16=16)

(अथवा)

'सच बोलने की भूल' – कहानी का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

IV. किसी एक विषय पर टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

1) शादीराम।

2) रायसाहब।

V. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2×4=8)

1) टिप्पण की परिभाषा लिखकर उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

2) आलेखन का अर्थ एवं भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3) अपने महाविद्यालय में हुए रक्तदान शिबिर के बारे में प्रतिवेदन लिखिए।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए। (1×7=7)

सामान्यत: संस्कृति और सभ्यता को एक ही वस्तु मान लिया जाता है। दोनों में नि:संदेह घनिष्ट सम्बन्ध है। उनकी एक–दूसरे पर प्रतिक्रिया होती है। सभ्यता भौतिक उन्नति का घोतक है। दूसरी ओर सुसंस्कृत मनुष्य की सभ्यता दूसरे से भिन्न है। सभ्यता मनुष्य की भौतिक आवश्यकताएँ पूर्ण करने के यत्न का परिणाम है, जब कि संस्कृति बौद्धिक उन्नती के प्रयत्नों से विकसित होती है। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है। संस्कृति मनुष्य के मन और आत्मा के सुसंस्कार या परिष्कार को कहते हैं। अत एवं वह अन्तर्मुखी और भौतिक है। वह उन भौतिक आयोजनों और साज सज्जा से सम्बन्ध रखती है, जिसको मनुष्य ने प्रकृति की शक्तियों पर विजय पाने के लिए और इस प्रकार मानव जीवन को सुविधा पूर्ण बनाने के लिए विकसित किया है।

Scanned with CamScanner